मेरी मतवाली कुंवारी गाण्ड मार ही ली-1

“दोस्तो, मेरा नाम अनिल है.. मेरे यौवन जीवन की शुरूआत मेरी गाण्ड मरवाने से ही हुई। यह किस्सा जब का है.. जब मेरी बहन सपना 18 साल की और में 19 साल का था। हम दोनों एक ही स्कूल में और एक ही क्लास में पढ़ते थे। हम दोनों पढ़ने-लिखने में ज्यादा होशियार नहीं थे.. […] ...”

Story By: (mastichor)
Posted: Friday, April 3rd, 2015
Categories: गुरु घण्टाल
Online version: मेरी मतवाली कुंवारी गाण्ड मार ही ली-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी मतवाली कुंवारी गाण्ड मार ही ली-1

दोस्तो, मेरा नाम अनिल है.. मेरे यौवन जीवन की शुरूआत मेरी गाण्ड मरवाने से ही हुई।

यह किस्सा जब का है.. जब मेरी बहन सपना 18 साल की और में 19 साल का था। हम दोनों एक ही स्कूल में और एक ही क्लास में पढ़ते थे। हम दोनों पढ़ने-लिखने में ज्यादा होशियार नहीं थे.. बस औसत थे।

हमारे एक अध्यापक थे.. पाल सर.. उनके लिए मशहूर था कि वो जानबूझ कर अपने स्टूडेंट को फेल कर दिया करते थे.. ताकि वो उनके पास जाए और वो फिर उसका फायदा उठा सकें।

हमारे स्कूल में इस तरह के कई किस्से थे.. जिसमें पहले फेल हुए छात्र-छात्रा.. पाल सर से मिलने के बाद पास हो गए। इस बार हमें भी पता चला कि हम दोनों भाई-बहन भी फेल हो गए हैं और हमें अगर पास होना ही है तो पाल सर से मिलना पड़ेगा..

मैंने सपना से कहा- हम दोनों को शाम को पाल सर के पास चलना पड़ेगा.. ताकि हम पास हो सकें।

लेकिन पाल सर पास करने की क्या कीमत लेंगे.. ये हमें भी पता नहीं था।

शाम को हम दोनों पाल सर के घर गए.. तो वो कमरे में लुंगी पहने अकेले ही बैठे हुए थे। उन्होंने हम दोनों से आने का कारण पूछा.. तो हमने बताया। मैंने देखा कि बातचीत के दौरान पाल सर की निगाहें सपना पर ही लगी रहीं।

उन्होंने पूरी बात सुनने का नाटक किया और कहा- पास तो मैं करवा दूँगा.. पर इसके लिए

तुम्हें कीमत देनी होगी।

हमने कहा- हमारे पास देने को कोई पैसा नहीं है।

तो उन्होंने कहा- उन्हें पैसे की नहीं.. बल्कि जो चाहिए है.. वो तुम्हारे पास है।

हम दोनों भाई-बहन ने एक-दूसरे की ओर देखा फिर सहमति में गर्दन हिला दी।

पाल सर ने मुझसे कहा- तुम कल अकेले आकर उनसे मिलो.. फिर मैं बताऊँगा कि तुम दोनों कैसे पास हो सकते हो।

अगले दिन मैं पाल सर के पास गया.. तो वो जैसे मेरा ही इंतजार कर रहे थे..

उन्होंने मुझसे कहा- मैं जो भी तेरे साथ करूँ.. तू उसका बुरा तो नहीं मानेगा ?

मैंने 'न' में अपना सर हिला दिया।

पाल सर ने मुझे अपने पास बुलाया और वो मेरे निक्कर के ऊपर से ही मेरे चूतड़ों को सहलाने लगे.. मैं समझ गया कि आज पाल सर मेरे साथ क्या करेंगे..

उन्होंने मेरा निक्कर उतारा और मुझे बिस्तर पर लिटा कर मेरा लंड प्यार से पकड़ा और मुँह में ले लिया।

मैं तनिक उत्तेजित सा हुआ.. इसी बीच उन्होंने मेरा पूरा सामान अपने मुँह में अन्दर ले लिया और चूसने लगे। एक हाथ बढ़ाकर उन्होंने थोड़ा नारियल तेल अपनी ऊँगली पर लिया और मेरी गुदा पर चुपड़ा। फ़िर मेरा लंड चूसते हुए धीरे से अपनी ऊँगली मेरी गाण्ड में आधी डाल दी।

‘ओह… ओह..’ मेरे मुँह से निकला।

‘क्या हुआ बेटा.. दु :खता है ?’ सर ने पूछा.

‘हाँ सर… दर्द भी होता है..’

‘इसका मतलब है कि दु :खने के साथ मजा भी आता है.. है ना ? अब तुझे यही तो मैं सिखाना चाहता हूँ… गाण्ड का मजा लेना हो.. तो थोड़ा दर्द भी सहना सीख ले..’

यह कहकर सर ने पूरी ऊँगली मेरी गाण्ड में उतार दी और हौले-हौले घुमाने लगे.. पहले मुझे दर्द हुआ.. पर फ़िर मजा आने लगा.. मेरे लंड को भी अजीब सा जोश आ गया और वो खड़ा हो गया.. सर उसे फ़िर से बड़े प्यार से चूमने और चूसने लगे।

‘देखा ? तू कुछ भी कहे या नखरे करे.. तेरे लंड ने तो कह दिया कि उसे क्या लुत्फ़ आ रहा है..’

पांच मिनट तक सर मेरी गाण्ड में ऊँगली करते रहे और मैं मस्त होकर आखिर उनके सिर को अपने पेट पर दबा कर उनका मुँह चोदने की कोशिश करने लगा।

अब सर मेरे बाजू में लेट गए, उनकी ऊँगली बराबर मेरी गाण्ड में चल रही थी।

वो मेरे बाल चूम कर बोले- अब बता अनिल बेटे.. जब औरत को प्यार करना हो.. तो उसकी चूत में लंड डालते हैं या उसे चूसते हैं.. है ना.. ? अब ये बता कि अगर एक पुरुष को दूसरे पुरुष से प्यार करना हो.. तो क्या करते हैं ?’

‘सर… लंड चूसकर प्यार करते हैं ?’ मैंने ज्ञान बघारते हुए कहा।

‘और अगर और कस कर प्यार करना हो तो ? याने चोदने वाला प्यार ?’

सर ने मेरे कान को दांत से पकड़कर पूछा।

मुझे बड़ा अच्छा लग रहा था, ‘सर, गाण्ड में ऊँगली डालते हैं.. जैसा आप कर रहे हैं..’

‘अरे.. वो तो आधा प्यार हुआ.. इसमें तो सिर्फ ऊँगली करवाने वाले को मजा आता है.. पर लंड में होती गुदगुदी को कैसे शांत करेंगे ?’

मैं समझ गया… बहुत ही छटा हुआ मादरचोद किस्म का मास्टर है.. यह साला बिना गाण्ड मारे नहीं मानेगा।

मैं हिचकता हुआ बोला- सर… गाण्ड में… लंड डाल कर सर ?

‘बहुत अच्छे मेरी जान.. बहुत अच्छे मेरी जान.. तू वाकयी समझदार है.. अब देख.. तू मुझे इतना प्यारा लगता है कि मैं तुझे चोदना चाहता हूँ.. तू भी मुझे चोदने को लंड मुठिया रहा है.. अब अपने पास चूत तो है नहीं.. पर ये जो गाण्ड है.. वो चूत से ज्यादा सुख देती है और चोदने वाले को भी जो आनन्द आता है वो बयान करना मुश्किल है बेटे..’

मैं चुप था।

‘अब बोल.. अगला लेसन क्या है ? तेरे सर अपने प्यारे स्टूडेंट को कैसे प्यार करेंगे ?’

‘सर.. आप मेरी गाण्ड में अपना लंड डाल कर.. ओह सर..’

मेरा लंड मस्ती में उछला.. क्योंकि सर ने अपनी ऊँगली सहसा मेरी गाण्ड में गहराई तक उतार दी..

‘सर दर्द होगा.. सर.. प्लीज़ सर..’ मैं मिन्नत करते हुए बोला।

मेरी आंखों में देख कर सर मेरे मन की बात समझ गए- तुझे करवाना भी है ऐसा प्यार और डर भी लगता है.. है ना ?

‘हाँ सर, आपका बहुत बड़ा है..’ मैंने झिझकते हुए कहा।

‘अरे उसकी फ़िकर मत कर.. ये तेल किस लिए है.. आधी शीशी अन्दर डाल दूँगा.. फ़िर देखना ऐसे जाएगा.. जैसे मक्खन में छुरी.. और तुझे मालूम नहीं है.. ये गाण्ड बहुत लचीली होती है.. बड़े आराम से ले लेती है.. और देख.. मैंने पहले एक बार अपना झड़ा लिया था.. नहीं तो और सख्त और बड़ा होता.. अभी तो बस प्यार से खड़ा है.. है ना ? और चाहे तो तू भी पहले मेरी मार सकता है..’

मेरा मन ललचा गया..

सर हँस कर बोले- मारना है मेरी ?.. वैसे मैं तो इसलिए पहले तेरी मारने की कह रहा था कि तेरा लंड इतना मस्त खड़ा है.. इस समय तुझे इस लेसन का असली मजा आएगा.. गाण्ड को प्यार करना हो तो अपने साथी को मस्त करना जरूरी होता है.. वैसे ही जैसे चूत चोदने के पहले चूत को मस्त करते हैं.. अभी तेरा लंड खड़ा है.. तो तुझे मरवाने में बड़ा मजा आएगा..

‘हाँ सर..’

सर मुझे इतने प्यार से देख रहे थे कि मेरा मन डोलने लगा।

‘सर.. आप ही डाल दीजिये सर अन्दर.. मैं संभाल लूंगा..’

‘अभी ले मेरे राजा.. वैसे तुम्हें कायदे से कहना चाहिए कि सर.. मेरी गाण्ड मार लीजिए..’

‘हाँ सर.. मेरी गाण्ड मारिए सर.. मुझे .. मुझे चोदिए.. सर !’

सर मुस्कराए- अब हुई ना बात.. चल पलट जा.. पहले तेल डाल दूँ अन्दर.. तुझे मालूम है ना.. कि कार के इंजन में तेल से पिस्टन सटासट चलता है ? बस वैसे ही तेरे सिलेंडर में मेरा पिस्टन ठीक से चले.. इसलिए तेल लगाना जरूरी है..

मैंने सहमति में अपने सिर को हिलाया।

'अच्छा सुन.. पलटने के पहले मेरे पिस्टन में तेल तो लगा दे..'

मैंने हथेली में नारियल का तेल लिया और सर के लंड को तेल से चुपड़ने लगा.. उनका खड़ा लंड मेरे हाथ में नाग जैसा मचल रहा था। तेल चुपड़ कर मैं पलट कर लेट गया.. मुझे डर भी लग रहा था। तेल लगाते समय मुझे अंदाजा हो गया था कि सर का लंड फ़िर से कितना बड़ा हो गया है।

सर ने भले ही दिलासा देने को यह कहा था कि एक बार झड़कर उनका जरा नरम पड़ गया है पर असल में वो लोहे की सलाख जैसा ही टनटना गया था।

सर ने तेल में ऊँगली डुबो कर मेरी गुदा को चिकना किया और एक ऊँगली अन्दर-बाहर की.. फ़िर एक हाथ से मेरे चूतड़ फ़ैलाए और कुप्पी उठाकर उसकी नली धीरे से मेरी गाण्ड में अन्दर डाल दी।

मुझे सुरसुराहट सी हुई.. मैं पलट कर सर की ओर देखने लगा.. वे मुस्कराकर बोले- बेटे.. अन्दर तक तेल जाना जरूरी है.. मैं तो आधी शीशी तेल तेरे अन्दर भर ही देता हूँ.. जिससे तुझे कम से कम तकलीफ़ हो..

वे शीशी से तेल कुप्पी के अन्दर डालने लगे.. मुझे गाण्ड में तेल उतरता हुआ महसूस हुआ.. बड़ा अजीब सा.. पर मजेदार अनुभव था.. सर ने मेरी कमर पकड़कर मेरे बदन को हिलाया- बड़ी टाइट गाण्ड है रे तेरी.. तेल धीरे-धीरे अन्दर जा रहा है !

मेरी गाण्ड से कुप्पी निकालकर सर ने फ़िर एक ऊँगली डाली और घुमा-घुमा कर गहरे तक अन्दर-बाहर करने लगे।

मैंने दांतों तले होंठ दबा लिए कि सिसकारी न निकल जाए.. फ़िर सर ने दो ऊँगलियां डालीं.. आह.. इतना दर्द हुआ कि मैं चिहुंक पड़ा।

मेरे पीछे बैठते हुए सर बोले- अब तू आराम से पलट कर लेट जा… वैसे तो बहुत से आसन हैं और आज तुझे सब आसनों की प्रैक्टिस कराऊंगा.. पर पहली बार डालने वक्त ये सबसे अच्छा आसन है..

मैं औंधा लेटा था.. सर ने मेरे चेहरे के नीचे एक तकिया लगा दिया और अपने घुटने मेरे बदन के दोनों ओर टेक कर बैठ गए।

‘अब अपने चूतड़ पकड़ और खोल.. तुझे भी आसानी होगी और मुझे भी.. और एक बात है बेटे.. गुदा को ढीला छोड़ना.. नहीं तो तुझे ही दर्द होगा.. समझ ले कि तू लड़की है और अपने सैंया के लिए चूत खोल रही है.. ठीक है ना ?’

मैंने अपने हाथ से अपने चूतड़ पकड़ कर फ़ैलाए.. सर ने मेरी गुदा पर लंड जमाया और पेलने लगे, ‘ढीला छोड़.. अनिल बेटा जल्दी..’

मैंने अपनी गाण्ड का छेद ढीला किया और अगले ही पल सर का सुपाड़ा ‘पक्क’ से अन्दर हो गया.. मेरी चीख निकलते-निकलते रह गई।

मेरी इस कथा पर कमेन्ट देने के लिए मुझे सुदर्शन की ईमेल पर ही लिखें।
कहानी अभी जारी है।

Other stories you may be interested in

चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूं. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूं. […]
Full Story >>>

मेरी चूत को बड़े लंड का तलब

मैं सपना जैन, फिर एक बार एक नई दास्तान लेकर हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी बड़े लंड का लालच जिन्होंने नहीं पढ़ी है, उन्हें यह नयी कहानी कहां से शुरू हुई, समझ में नहीं आएगी. इसलिये आप पहले मेरी कहानी […]
Full Story >>>

मेरी गांड पहली बार कैसे चुदी

नमस्कार मेरे प्यारे अन्तर्वासना के साथियो, मैं लगभग 4 वर्षो से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मैंने अन्तर्वासना की लगभग सारी कहानियां पढ़ी हैं। मुझे उनमें से सनी शर्मा की कहानियां बहुत पसंद हैं. अब मुझे लगता है कि मुझे […]
Full Story >>>

ऑफिस की मैम की चूत और गांड

मेरा नाम शकील है और मैं मुंबई से हूँ. मैं एक निजी कंपनी में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 28 साल है व हाइट 5 फुट 8 इंच है. मैं देखने में ठीक ठाक हूँ. मेरी कंपनी में कौसर मेम […]
Full Story >>>

रूम पार्टनर ने मेरी गांड मारी

मेरा नाम सोनू है, मैं अभी नागपुर में रहता हूं. मेरी उम्र अभी 30 साल है. मैं दिखने में चिकना और हैंडसम हूं. मैं लड़का, लड़की, अंकल, आंटी सभी को पसंद करता हूं. मैं ये कहानी तब की बताने जा […]
Full Story >>>